वर्ष-01 - अंक 01 - पृष्ठ-04 - मासिक समाचार पत्र - इंदौर / अहमदाबाद से एक साथ प्रकाशित संस्करण

मूल्य ₹ 5.00

हमारा संकल्प सेवा और समर्पण

हूमड़ वाणी

अंतर्राष्ट्रीय संगठन का दर्पण

03 जून, 2024 । सोमवार

फेडरेशन आफ हूमड़ जैन समाज का मुख पत्र

धर्म के लिए जिए, समाज के लिए जिए, ये धडकने, ये स्वांस हो, हूमड़ समाज के लिए

इंदौर के गांधी बनें फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज का राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

अहमदाबाद-फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज का एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी अधिवेशन प्रेरणा तीर्थ, जोधपुर ग्राम अहमदाबाद में हंसमुख गांधी के मुख्य आतिथ्य, वसंत दोशी की अध्यक्षता, डॉ. श्रेणिक शाह, महेंद्र जे शाह, सुरेंद्र चापावत के विशिष्ट आतिथ्य तथा महामंत्री अजित कोठिया के संयोजन में

संपन्न हुआ। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद हूमड़ गीत विपिन गांधी ने प्रस्तुत किया। स्वागत उद्बोधन फेडरेशन अध्यक्ष वसंत दोशी ने देते हुए सभी का माल्यार्पण द्वारा अभिनंदन किया। परिचय सत्र में उपस्थित सदस्यों ने स्व-परिचय दिया। महामंत्री अजित कोठिया ने मंदसौर में संपन्न वार्षिक आम सभा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसे सभी ने अनुमोदित किया। चयन समिति अध्यक्ष महेंद्र जे. शाह ने वर्ष 2024-26 के लिए चयनित 15 कार्यकारिणी सदस्यों के नाम घोषित किए जिसमें राजस्थान से दिनेश खोड़निया, अजीत कोठिया, प्रवीण जैन एवं डॉ. निधि सेठ, गुजरात से शरद गोडालिया, श्रीपाल शाह, महावीर दोशी, महाराष्ट्र से किरण जे. शाह, मिहिर गांधी, संजय भांचावत, सुरेन्द्र चांपावत तथा मध्यप्रदेश से विपिन गांधी, कोशल्या पतंग्या, महेन्द्र बंडी, शेष भारत से प्रमोद शाह मनोनित किए गए। इन 15 सदस्यों ने मिलकर सर्व सम्मति से इंदौर मध्यप्रदेश निवासी विपिन विमलचंद गांधी को दो वर्षों के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनित किया। उसके पश्चात् कार्यकारिणी ने 15 सदस्य और मनोनित किए, जिसमें रमेश वगेरिया, वीरेंद्र धनावत, विजय जैन, रमेश भूता, महेंद्र जे शाह, श्रेणिक शाह, सचित शाह, सुशील शाह, दीपक भुता, मधु कोठारी, अंतिम कियावत राकेश दोशी, कालिदास गांधी तथा विपिन पचोरी को सम्मिलित किया गया। इस 31 सदस्यीय कार्यकारिणी मे से दिनेश खोड़निया को राजस्थान, दीपक भुता को मध्यप्रदेश, किरण भाई शाह को महाराष्ट्र, श्रीपाल जैन को गुजरात तथा प्रमोद शाह को शेष भारत के लिए प्रॉविंस चेयरमेन बनाया गया। महेन्द्र बंडी को राष्ट्रीय महामंत्री, सुरेंद्र चांपावत को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, विपिन सर्राफ को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया। विदाई भाषण वसंत दोशी ने देकर उनकी कार्यकारिणी को दो वर्ष तक सक्रिय एवं समर्पित सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम अजित कोठिया ने घोषित किए।

नए अध्यक्ष विपिन गांधी ने आगामी दो वर्ष की कार्ययोजना आधारित विशेष रचनात्मक उद्बोधन दिया।

संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार श्रीपाल जैन ने व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

राष्ट्रीय मंत्री के मन की बात

शब्दों का वह समूह जो श्रद्धा से जपा जावे मंत्र।

मंत्र+ई=मंत्री इस मंत्र के साथ ईश्वर का अंश ई मिल जाए तो बन जाता है मंत्री। मंत्र की साधना और ईश्वर की आराधना में रत मंत्री महेन्द्र बंडी की एक नज़र-

राष्ट्रीय अध्यक्ष के संग एक रस होकर,
लक्ष्य निर्धारित करना और अपने
कार्यकारिणी साथियों के सामर्थ्य से जन
जन तक पहुंचना।
ईडर, खेडब्रह्मा से प्रवजन कर देश-
विदेश में फैले हूमड जनों का एक सूत्र में
गठन करना और हमारी संस्कृति व
संस्कार को अक्षुण्ण बनाए रखना।
द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाषा (भाव) के
प्रभाव से हम अलग-अलग समूहों में
बंट गये। समय की मांग, एकता में बल,
सभी हूमड़ बन्धु-बांधव से संपर्क कर
मुख्य धारा से जोडना। इस कठीन
साधना के मंत्र को धारण किए -
दूर लक्ष्य है, लड़खड़ाते कदम है, पर
तुझे चलना होगा
छाएं काले बादल फिर भी रोशनी की
ओर डग भरना होगा
आशा अमर दुनिया में , हो पांव में छाले
तुझे चलना होगा,
चलता चल रख विश्वास एक दिन
लक्ष्य पांव तले होगा
नज़र घुमाले अपनी, कमजोरियों से तू
ठान लें रार
पलटते ही नज़र खुबसूरत नज़ारा,जो
करेगा पार

हाथ की रेखा से ज़्यादा तदबीर पर भरोसा कर
तकदीर तो उसकी होती, जिस के हाथ नहीं होते
छोड़ कर नीड़ अपना, उड़ान भर कर जाना होगा
मिले राह में जो कोई, सबको अपना बनाना होगा
सफलता-असफलता तो धूप-छांव है,
आगे बढ़ना होगा
धर्म को रख साथ, अटूट आत्म विश्वास दौड़ना होगा
सफलता की सुन्दर नगरी तेरे स्वागत में खड़ी है
वर्षा से तेरे इन्तजार में एक टक नजर लगी है
साहस के दो कदम से राह की चट्टान गीरा दे
फिर सामने सन्तोष से भरी, सफलता खड़ी है

यदि सुनियोजित तरीके से काम किया जाए तो हमारा लक्ष्य तो इतना आसान है, जैसे नदी का नीर, जिसे बहने के लिए कुछ करना नहीं पड़ता, बाधाओं से टकरा कर अपनी राह पकड़ लेता है और मंजिल पा लेता है , राह में आये हर प्राणी को तृप्त करता नीर है। कभी अभिमान नहीं , कभी रार नहीं बस एक ही लगन सदा लक्ष्य की ओर बिना रूके बहते चलना! बूंद-बुंद के समर्पण से नदी, नदी के समर्पण से सागर बन जाता है।

सम्पादकीय

जैसे पथ का महत्व होता है वैसे ही पथदर्शक का भी महत्व होता है, पथदर्शक वही हो सकता है जिसमे राग, द्वेष पर विजय प्राप्त की हो, जो शुद्ध धर्म, समाज एवं अध्यात्म की बात कहता हो, जो धर्म के नाम पर समाज में साम्प्रदायिकता को बढ़ावा दे वो पथ दर्शक नहीं हो सकता, पथ दर्शक वही हो सकता है जिसकी दृष्टि रचनात्मक, उदार एवं प्रसस्त हो। जिसके आचार-विचार एवं व्यवहार पवित्र हो। ऐसे महापुरुषो का संसर्ग करना चाहिए, भगवान महावीर की वाणी सदैव सामने रखें। सदा उच्च विचारो वाले प्रदर्शक की बताई राह पर चले, उनकी सीख को हमेशा अपने जीवन में ग्रहण करें, इन्ही शुभ भावो के साथ फेडरेशन ऑफ़ हूमड़ समाज की नवीन कार्यकारणी को बधाई, शुभकामनाये।

आप सभी के नेतृत्व में हूमड़ समाज की आने वाली पीढ़ी नयी ऊंचाइयां प्राप्त करे।

यशपाल जुवां

अगले अंक में देखें कुल देवियां एवं गौत्र की जानकारी आपके पास सामग्री हो तो अवश्य भेजें।

सम्पादक एवं क्षेत्रीय संवाददाता की आवश्यकता हैं

जो भी समाज सदस्य समाजसेवा भाव के साथ अपने क्षेत्र की गतिविधियों की जानकारी देना चाहते है, वे हमारे साथ सम्पादक एवं क्षेत्रीय संवाददाता के रुप में जुड़कर इस प्रकल्प में सहयोग प्रदान करें

सम्पर्क करें: यशपाल जुवां
9826097101

फेडरेशन ऑफ़ हुमड़ जैन समाज का एन.आर.आई प्रोविंस गठित

दीपक मेहता

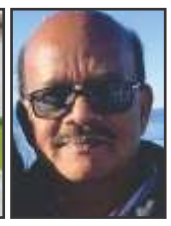

सुनील बंडी

श्री दीपक मेहता को एन.आर.आई प्रोविंस का अध्यक्ष व सुनील बंडी को मंत्री एवं एन.आर.आई प्रोविंस महिला संगठन को मजबूत करने के लिए सुप्रिया दोशी अध्यक्ष व श्वेता बंडी मंत्री

सुप्रिया दोशी

श्वेता बंडी

फेडरेशन ऑफ़ हुमड़ जैन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गाँधी ने एन.आर.आई प्रोविंस का गठन कर के इस संघटन को राष्ट्रीय स्तर से अंतर्राष्ट्रीय संघठन की गति दी है, फेडरेशन ऑफ़ हुमड़ जैन समाज के इस संगठन ने पहली बार ये सफल प्रयास किया है, फेडरेशन के वार्षिक सम्मलेन के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गाँधी की पहली विदेश यात्रा में इस संगठन को और विदेश में रहने वाले हुमड़ समाज के परिवारों को अपनी माटी से जुड़े रहने हेतु यह सफल सार्थक प्रयास किया, इस एन.आर.आई प्रोविंस का प्रतिनिधित्व करने हेतु आपने श्री दीपक मेहता को एन.आर.आई प्रोविंस का अध्यक्ष व सुनील बंडी को मंत्री एवं एन.आर.आई प्रोविंस महिला संगठन को मजबूत करने के लिए सुप्रिया दोशी को अध्यक्ष व श्वेता बंडी को मंत्री को पद का दायित्व देकर विदेश में रहने वाले सभी हुमड़ समाज को एक सूत्र में बांधे रखने के साथ साथ भारत में रहने वाले हुमड़ परिवारों के बिच के मजबूत सेतु के निर्माण हेतु प्रतिबद्ध किया.

अध्यक्षिय निर्झरणी

अध्यक्षिय निर्झरणी... अग्रजों ने कठीन चट्टानों को फोड़ कर एक सरोवर बनाकर विरासत में सोपा है, इस फेडरेशन को सहेज कर, संवार कर, मुझे हस्तानांतरित किया, इस भाव से कि इसके जल से समग्र हूमड़ समाज के जन जन के कंठ को शितलता मिले और अतृप्त उदर को तृप्ति का आभास हो । मेरे पूर्ववर्ती सभी सदस्यों का अन्तर्रंग से अभिनंदन , आभार । फेडरेशन को खड़ा करने में किंचित मात्र भी प्रत्यक्ष, परोक्ष में योगदान देने वाले सभी श्रेष्ठि मेरे गुरु तुल्य हैं । सबको वन्दन, नमन । यह भगिरथी कार्य सरोवर के जल को ढोकर नहीं किया जा सकता है । दूसरा विकल्प जगह जगह एसे सरोवरों को बनाना। यह भी कठिन, श्रमसाध्य व दीर्घ कालिन परियोजना बन कर रह जाती । नविन कार्यकारिणी में समाहित अतुल्य साहस व शक्ति को सही दिशा देकर , इस बार इस सरोवर के मिठे जल को प्रवाहित कर जन-जन तक पहुंचाना है। इस कार्य के लिए मुझे साथ मिला पूर्णकालिन, अनुभवों से ओत-प्रोत, वरिष्ठ समाजसेवी, कुशल चिन्तक, प्रबन्धक, कवि हृदय इंदौर के श्री महेन्द्र बंडी जो हर पल नदी की कल-कल के कलरव सा संगीत बजा कर मुझे जगाते रहते हैं। गतिशील उर्जावान विपिन जैन पचोरी हर पल सजक, सब समस्याओं के समाधान को तत्पर रहते है। अनुभवों से ओत-प्रोत, सिद्धान्तों से कोई समझोता नहीं 77 वर्षिय युवा श्री सुरेन्द्र चांपावत जो कोषाध्यक्ष के रुप में हमारी ढ़ाल है । स्वयं अनुशासित रहते और ऐसी ही अपेक्षा सभी से करते है। सभी प्रोविंस के अध्यक्ष अपनी कार्यकारिणी के साथ लक्ष्य भैदी योजना बना कर समर्पण के साथ सेवा को तत्पर है। कार्यकारिणी का प्रत्येक सदस्य जो देश के विभिन्न प्रोविंस से मनोनीत होकर आए हैं, एक-एक अपने आप में सम्पूर्ण कार्यकारिणी की क्षमता समेटे है । इस विपिन को संवारने के सभी प्रयास हुए । वृक्ष के फलों, कलियों, तनों को सिंचित करने में हमारी शक्ति लगी । अब आवश्यकता है जड़ को (जन-जन) को सिंचित करने की । आओ , मिलकर एक बड़ी श्रृंखला बनाकर हर घर फेडरेशन का नाम पहुंचाएं। इस हेतु तत्काल प्रभाव से अप्रवासी भारतीयों को जोडना आरंभ कर दिया है। पचास प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी समाज में और मेनेजमेंट की कला में पारंगत इस महिला शक्ति को जागृत करने हेतु समानांतर महिला प्रकोष्ठ का आकार देने हेतु राष्ट्रीय प्रभार दिया अनुभवी, समर्पित महिला नेत्री, फेडरेशन की पूर्व महामंत्री, जिनके रोम-रोम में समाज सेवा समाई है, इंदौर की श्रीमती कौशल्या पतंगिया को। कहने से ज्यादा करने मे विश्वास रखने के कारण आज देश व विदेश में महिला संगठन की अनुगुंज सुनाई दे रही है। हमारा भविष्य युवाओं की शक्ति, जिस पर पूरे देश को नाज़ है, जो अपने पोरुष बल से असंभव को संभव करने का साहस समेटे है। ज्ञान से आकाश नापने का सामर्थ्य है। आवश्यकता है किसी जामवंत की जो उसे शक्ति का आभास करा दे। इस हेतु एक युवा प्रकोष्ठ का गठन भी विचाराधीन है । यह लश्कर चाहे तो नदी की दिशा मोड़ दे। पाताल से पानी निकाल दे। अब प्रश्न है करना क्या? बहुआयामी उद्देश्यों के लिए गठित हमारा संगठन छोटी इकाईयों के माध्यम से उन सभी प्रकल्पों को तलाशे.जो स्थानीय आवश्यकता है।

उन सभी कार्यों में संलग्न हो जाना जो स्थानीय संस्थाएं चाहती है। क्षेत्रीय परिधि से परे हर अच्छे कार्य की महक जन-जन तक पहुंचे और हमारी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्णता से संभाले रखते हुए वर्तमान से कदमताल करते नई ऊंचाइयों को छुने का प्रयास करें। इसके लिए सूचना तंत्र का मजबुत होना आवश्यक है। इस हेतु मासिक हूमड़ वाणी समाचार पत्र का प्रकाशन आकार ले रहा। जिसके लिए संपादक मण्डल प्रत्येक क्षेत्र को प्रतिनिधित्व देकर बनाया जाएगा। हम बैलगाड़ी से चन्द्रयान तक के साक्षी हैं। हमारी चाल समय के साथ चले, इस हेतु आई.टी. विशेषज्ञों का संगठन बनाया जा रहा है जो हमारे सूचना तंत्र को कुछ अन्तराल में इतना सुदृढ़ करदे कि एक बटन पर सूचनाओं का आदान-प्रदान होता रहे। जैसे पैड़ को खाद-पानी, निंदाई- गुड़ाई, हवा-पानी की आवश्यकता होती है, संगठन को चलाने के लिए विभिन्न योजनाओं को संचालित करने के लिए अर्थ अत्यन्त महत्वपूर्ण उर्वरक होता है । हम सब प्रतिज्ञा करें अर्थ के अभाव से कोई काम अवरोधित नहीं होने देंगे। मैं स्वयं आप सबको आश्वस्त करता हूं, मुझे अपने समाज पर गर्व है, किसी भी अच्छे काम के लिए अर्थ की कभी रुकावट नहीं होगी। समाज में भामाशाह की कमी नहीं है।

हमारी सदस्यता अभियान को तेज करना , जो पहले से सदस्य हैं, उन्हें अगले पायदान पर आरोहण करवाना, संस्थागत सदस्यों में एकरसता स्थापित करना। प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता और विकेन्द्रीयकरण को बल देना। प्रत्येक योजना को स्ववित्त पोषित बनाना हमारे काम को गति प्रदान करेगा। आप सबके के भीतर वास करता प्रत्येक हूमड़ दिल राष्ट्रीय अध्यक्ष है। मैं भी आपकी ही की तरह फेडरेशन को नई परिधी में ले जाने वाला सामान्य सदस्य हू, जो समाज और राष्ट्र की सेवा की ललक लिए सेवा हेतु तत्पर हूं। फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज अन्तर्राष्ट्रीय संगठन हमारा संकल्प सेवा और संगठन

धर्म के लिए जिए, समाज के लिए जिए, ये धड़कने ये स्वांस हो हूमड़ समाज के लिए.....

विपिन गांधी.....।

समाज संगठन के लिये समर्पित महिला शक्ति

कागज पर कुछ लिखने के लिये कलम पहुंची। कागज़ ने अकड़कर कहा – मेरे गोरे चिट्टे शरीर पर तुम जैसी काली कलूटी का स्पर्श! जा भाग यहां से! दूर हट! तेरे साथ मैं अपना गौरव नहीं घटाउंगा! चली आई मुझे काला करने!

स्याही भरी कलम डरकर वापस चली गई। कागज तो सफेद बना रहा, पर मिलन के सौभाग्य से उसे वंचित ही रहना पड़ा। कोरा कागज किस काम का, सफेद तो बना रहा, पर पत्ररुप में परिचित होने का उसे अवसर न मिला। सदा के लिये यह मौका हाथ से चला गया। कागज एक पुलिंदे में बंधा पड़ा रहा और अपने दुर्भाग्य पर रोता रहा।

सार्थकता मिलने में है दोस्तों! ऐसा मिलन जो दोनों के अस्तित्व को धन्य कर दें। यह सफल प्रयास किया है फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज (अन्तर्राष्ट्रीय संगठन) के महिला प्रकोष्ठ ने। नवीन कायकारिणी ने महिला प्रकोष्ठ के (राष्ट्रीय प्रभारी) का दायित्व सौंपा और उनके हाथ मजबूत करने के लिये राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमति सुजाता शहा (पुणे) को मनोनित किया। राष्ट्रीय प्रभारी का पद संभालते ही पूरे भारत और अप्रवासी हूमड़ महिलाओं को मिलाकर 6 प्रोविन्स का गठन किया। एक 31 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं 6 प्रोविन्स के चेयरमेन नियुक्त कर काम को गति प्रदान की गई है। अभी नई कार्यकारिणी बने एक महीना भी पूर्ण नहीं हुआ पर महिलाशक्ति ने जो तत्परता दिखाई है वह वाकई प्रशंसनीय है।

म.प्र. प्रोविन्स से 16 महिला संस्थायें फेडरेशन की सदस्य बनी, इसके माध्यम से 200 से 300 महिलायें फेडरेशन से जुड़ गई। महाराष्ट्र बहुत विशाल है, अकेले अकलुज से 13 महिला मंडल और 700 महिलायें इसकी सदस्य बन गई। राजस्थान बहुत तेज़ गति से दौड़ रहा है, वहां एक एक संस्था में 700 महिलायें जुड़ी हुई है, और सभी ने सहर्ष फेडरेशन से जुड़ने की मंशा जाहिर की है। ऐसी अनेक महिलाओं की संस्थायें है जो फेडरेशन से जुड़ने को आतुर है। गुजरात, दक्षिण भारत, एन.आर.आई ग्रुप ने उत्साह दर्शाते हुऐ अपने महिला मंडलों को राष्ट्रीय संस्था से जोड़ा है।

बिखरी नारी शक्ति को फेडरेशन के माध्यम से नई सोच और नये चिंतन के साथ एक सूत्र में बांधा है, यह हमारी सबसे बड़ी सफलता है, पर इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता। हमें जनजागरण का काम करना है। जनसाधारण को जगाना पड़ेगा। संगठन का प्रशिक्षण देकर विचारधारा और चिंतन को नये सिरे से दिशा देनी होगी। हमें गांव गांव और शहर-शहर जाकर महिला संगठन बनाने होंगे, ताकि समाज के प्रति रुझान बढ़े, एक मुट्ठी की तरह संगठित हो सकें।

मेरे ये शब्द केवल अक्षरों के समूह नहीं वरन विचारों की ऐसी संरचना है, जो उद्देश्य व आवश्यकता के अनुरुप निरंतर प्रकाशित, परिवर्तित एवं परिवर्द्धित होते रहें।

सेवा की आराधना से, मातृशक्ति को जगायें

मातृशक्ति का उदय कर, राष्ट्र भक्ति को जगायें।

कौशल्या पतंग्या

प्रतापगढ़ में परम् संरक्षक एवं आजीवन सदस्य बनाए

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की नई कार्यकारिणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी के नेतृत्व में हूमड़ संपर्क अभियान के तहत प्रतापगढ़ में बैठक हुई, राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी ने हूमड़ समाज की खेड़ब्रह्मा से उद्गम से लेकर अब तक की विकास यात्रा, फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की स्थापना व अब तक की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। समारोह में शरद दावड़ा को परम संरक्षक सदस्य बनाया एवं शशि बंडी, रमेश भूता, प्रदीप गांधी, शांतिलाल दोशी, अजीत कुमार सरिया, पीयूष रमेश शाह, गजेंद्र डागरिया को आजीवन सदस्य बनाया। प्रतापगढ़ के लिए फैडरेशन युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष दीपेश कुनिया व महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष कुमकुम सरिया को मनोनित किया। संचालन विनीत मिंडा ने किया।

फेडरेशन के सदस्य बने
शिरोमणि संरक्षक 1 लाख
परम संरक्षक 51 हजार
संरक्षक 25 हजार
आजीवन सदस्य 11 हजार

श्रद्धांजलि

श्रीमान अरविंदजी बसंतीलालजी दोशी, इंदौर (म.प्र.)
श्रीमान जयेश भाई दोशी, ईडर (गुज.)
श्रीमान दिनेशचंद्रजी चांदमलजी भांचावत, मुंबई (महा.)
श्रीमान चन्द्रसेनजी बसन्तलालजी बक्षी, इंदौर (म.प्र.)
श्रीमान अजबलालजी केशरीमलजी रजावत, इंदौर (म.प्र.)
श्रीमती चमेलीबेन भोगीलालजी शाह, उदयपुर (राज.)
श्रीमती पेपाबाई चंदनमलजी आंजनिया, इंदौर (म.प्र.)
श्रीमती मैनादेवी चांदमलजी वेगिरया, इंदौर (म.प्र.)
श्रीमान ललितजी शोभागमलजी बंडी, इंदौर (म.प्र.)
श्रीमती जयाप्रभा स्व. फतेहलालजी कियावत, मन्दसौर इंदौर

प्राप्त जानकारी अनुसार

मातृ दिवस पर समर्पित

जीवन का कोई ऐसा पल नहीं
जिसमें याद ना आती मां
जब कदम लड़खड़ाते हैं
मेरे होले से आकर हाथ थाम लेती मां
जब कभी छाए गम के बादल
सुनहरी धूप बन गम से निकाल लाती मां
साथ नहीं होकर भी जीवन के हर मोड़ पर
खड़ी मिलती मां
ना घबराना ना हीं डरना परिस्थितियों से
समझौता कभी ना करना
हिम्मत बन मेरी रग रग में दौड़ती मां
क्या हुआ यदि कठिन है डगर
क्या हुआ यदि मुश्किल है सफर
हमसफर बन सदा साथ रहती मां
है आरजू बस रजनी की इतनी सी
मेरी वाणी में मेरी शैली में मेरे संस्कारों में
सदा बसी रहना मेरी मां प्यारी मां
स्वरचित - श्रीमती रजनी बंडी जैन, इंदौर

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की गूगल मीट सम्पन्न

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की प्रथम गूगल मीट विपिन गांधी की अध्यक्षता महेन्द्र बंडी के संयोजन तथा शरद पाणोत के तकनीकी सहयोग से आयोजित की गई। फेडरेशन के संस्थापक सदस्य एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया ने बताया की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष, सभी पांचों प्रोविंस चेयरमेन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय मंत्री, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रभारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने हिस्सा लिया। मंगलाचरण एवं हूमड़ गीत गान से प्रारंभ इस बैठक में अजीत कोठया ने मंदसौर एवं बांसवाड़ा बैठकों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया अहमदाबाद बैठक की रिपोर्ट महामंत्री महेन्द्र बंडी ने पढ़ी। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी ने नई कार्यकारिणी के दो वर्षो के क्रियाकलापों का विजन डॉक्यूमेंट प्रस्तुत किया।

युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ तथा छठीं प्रॉविंस अनिवासी भारतीय के गठन पर चर्चा एवं सहमति लेकर मासिक ऑनलाईन पत्रिका हूमड़ वाणी के प्रकाशन पर चर्चा कर सर्वसम्मत निर्णय लिए। हूमड़ क्रिकेट प्रतिभाओं को तराशने हूमड़ी प्रीमियर लीग एच पी एल प्रारंभ करने पर भी विचार किया गया। प्रॉविंस कार्यकारिणी गठन, युवा पीढ़ी के क्रियाकलापों के निर्धारण तथा दो वर्षों में फेडरेशन को जन-जन तक पहुंचाने के त्वरित उपायों पर राय लेकर सभी प्रोविंस कार्यकारिणी का गठन 15 दिन में करना तय किया गया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी, महामंत्री महेन्द्र बंडी के निर्देशन में गूगल मीट में कौशल्या पतंग्या, डॉ. निधि जैन, विपिन जैन, श्रीपाल जैन, प्रमोद जे शाह, अजीत कोठिया, सुरेन्द्र चांपावत, डॉ. राजमल कोठारी, अध्यक्ष वसंत दोशी, डॉ. श्रेणिक शाह मिहिर गांधी, महेन्द्र जे शाह, किरण जे शाह, सचिन शाह, महावीर दोशी, विजय जैन, मधु कोठारी कालिदास गांधी ने विचार व्यक्त किये। अनिवासी हूमड़ जैन के नाम से फेडरेशन की छठीं प्रोविंस गठित की गई। विगत एक माह में दिवंगत हुए हूमड़जनों की स्मृति में मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजली दी गई। आने वाले दो वर्षों में फेडरेशन को गति देने के संकल्प के साथ गूगल मीट संपन्न हुई।

हसमुख गांधी
तीर्थ क्षेत्र कमेटी राष्ट्रीय मंत्री

भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी में इंदौर के वरिष्ठ समाजसेवी हसमुख गांधी को कमेटी में राष्ट्रीय मंत्री मनोनित किया है। उनका मनोनयन कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन ने किया। दिगंबर जैन उन्नयन हेतु कार्य करने वाली सबसे प्राचीन व प्रतिष्ठित संस्था में श्री गांधी के मनोनयन से अनेक स्नेहीजनों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उल्लेखनीय है कि श्री गांधी सामाजिक धार्मिक क्षेत्र में विगत पांच दशकों से कार्य कर रहें है। श्रवणबेलगोला, मांगीतूंगी, कुंडलपुर, बावनगजा, पावागिरि उन, जहाजपुर, अयोध्या, हस्तिनापुर, शीतल तीर्थ सहित अनेक तीर्थों के आयोजनों में प्रमुख भूमिका रही है। दिगंबर जैन सोशल रुप फेडरेशन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के साथ आप अनेक बड़े आयोजनों की कार्य योजना के कुशल नेतृत्वकर्ता है। कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष भी है।

श्री गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जी जैन के नेतृत्व में भारत के समस्त तीर्थों को सम्मुनत बनाना, उनके रखरखाव में, प्रबंधन में उचित भूमिका का निर्वहन करना, समस्त तीर्थों के पदाधिकारियों के बीच सामंजस्य, समन्वयन कर दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्रों विश्व पटल पर स्थापित करना उनका लक्ष्य रहेगा। श्री गांधी ने सर्वाधिक लोकप्रिय दिगंबर जैन तीर्थ निर्देशिका का संपादन, प्रकाशन किया है जिसकी एक लाख प्रतियां प्रकाशित हो चुकी है।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन की महिला अ.राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित
कौशल्या पतंग्या अध्यक्षा, सुजाता शहा महामंत्री

कौशल्या पतंग्या

सुजाता शहा

सुप्रिया दोशी

तनुजा शहा

डॉ. निधि सेठ

मधु कोठारी

लता घी वाला

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष विपिन गांधी ने की। इंदौर मध्यप्रदेश निवासी कौशल्या पतंग्या को राष्ट्रीय अध्यक्षा एवं सुजाता शहा को महामंत्री बनाया गया है।

इसी क्रम में डॉ. निधि जैन को राजस्थान, मधु कोठारी को मध्यप्रदेश, लता घी वाला को गुजरात, तनुजा शहा को महाराष्ट्र श्वेता बंडी केलिफोर्निया व सुप्रिया दोशी बोस्टन को शेष भारत व एन आर आई प्रकोष्ठ की अध्यक्ष मनोनित किया गया है।

सभी महिला अध्यक्ष अपने अपने प्रॉविंस की प्रदेश महिला कार्यकारिणी घोषित कर फेडरेशन में महिला शक्ति को आगे बढ़ा समाज के विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

आदरणीय अजबलालजी रजावत का व्यक्तित्य एक नजर में

स्मृति शेष

आपका संपूर्ण जीवन एक आदर्श था , जैसा की हम सबने देखा है एक उत्तम जैन श्रावक में छह बाते आवश्यक होती है वो है देव पूजा, गुरु-उपासना, स्वाध्याय, संयम, तप और दान। अजबलालजी के सारे कृत्य यह साबित करते है की आप उत्तम जैन श्रावक थे। मंदसौर निवासी अजबलालजी प्रतिदिन बंडीजी के बाग़ के मंदिर में प्रतिदिन सबसे पहले अभिषेक एवं पूजन प्रभु के सामने बड़ी तल्लीनता से करते थे। रोज संध्या आरती में समिल्लित होना, कोई भी विधान पूजन हो पुरे उत्साह के साथ उसमे शामिल होना, नगर की सीमा में कोई भी साधु या संघ आया हो तो अपने घर पर चोका लगाना, आहार देना, उनकी वैय्यावृत्ति करने में बिना किसी संकोच के सबसे आगे रहने वाले, यहाँ तक की साधु संतो के अलावा भी कोई भी अपरिचित जैन बंधू को भी विनम्र आग्रह पूर्वक घर पर भोजन कराने में आगे रहते थे। समाजीक कार्यो में हमेशा आगे रहने वाले अजबलालजी की स्मृतिया ही हम सब के बिच शेष रह गई है।

अजबलालजी ने अपने जीवन काल में तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री गजेंद्र सागरजी के भी बड़े ही भक्ति भाव से, सेवा भाव के साथ समाधी करवाने का अवसर भी प्राप्त किया। मंदसौर में हुवे पंचकल्याणक में श्री अजबलालजी एवं श्रीमती कमलादेवी जी को भगवान के माता पिता होने का सौभाग्य भी प्राप्त हुवा था। मूक पक्षियों के प्रति आपका वात्सल्य भी बहुत था, प्रतिदिन नियमित रूप से बंडीजी के बाग के मंदिरजी की छत पर अनाज डालना, नित्य नियमावली में था, आज भी आपकी प्रेरणा से मूक पक्षियों के लिए अनाज डाला जाता है। परिवार के प्रति आपकी संवेदना सर्वोपरि है, स्वयं कम पढ़े लिखे होने के बावजूद अपने बच्चो को बहुत पढ़ाया, अपने पोते पोतियो को उच्च शिक्षा हेतु हमेशा प्रेरणा देते रहते थे, उसी का परिणाम है की आज हम देख सकते है की उनके पोते पोतियो ने University of California, America, BITS, IIT, Ireland University, Bangalore Uniersity जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में अपने परिवार का समाज का नाम रोशन किया है। ८५ वर्ष की उम्र में भी अजबलालजी ने कोई दवाई का सेवन नहीं किया। ब्लड प्रेसर, कोलेस्ट्रॉल, शुगर जैसी बीमारी हर घर में मिल जाती है पर आपको छू भी नहीं पाई। कोरोना वायरस भी आप के पास आकर घबरा के वापस चला गया था, समय और उम्र की वजह से आपकी नजर जरूर कमजोर हो गई थी, बस ये ही वजह थी, पास रखी टेबल का तीखा कोना देख नहीं पाए और उसकी वजह से गहरा आघात पंहुचा, आपने उस समय असीम वेदना का अनुभव भी किया होगा, परन्तु आपके चेहरे पर वही सदाबहार मुस्कराहट और समता भाव के साथ कहते थे की मेरे ही तो कर्मो का फल मिला है मुझे, ये शब्द थे अजबलालजी के, कुछ दिन पहले ही गिर जाने से उनकी हिप रिप्लेसमेंट की सर्जरी की गई थी फिर भी उनके चेहरे पर जरासी भी सिकन नहीं थी।

आपके पूर्वकृत पुण्य का फल था की अंतिम समय में मुनि श्री आदित्य सागरजी, मुनि श्री शिवानंदजी का परोक्ष रूप से सम्बोधन आपको मिला और प्रत्यक्ष रूप से मुनि श्री पूज्य सागरजी महाराज द्वारा देवलोकगमन के कुछ पहर पूर्व ही अकल्पनीय सम्बोधन मिला।

पंजीयन सोसायटी: एक्ट 1860, क्र.गुज/13132 अहमदाबाद एवं मुम्बई पब्लिक ट्रस्ट 1950, एफ./12993 अहमदाबाद

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज

(अन्तर्राष्ट्रीय संगठन)

पंजीकृत कार्यालय: 9, सिंदुर को-ओ., हाउसिंग सोसायटी, ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380 014

पत्र व्यवहार का पता: 'सन्मति' 29/3, स्नेहलतागंज, इंदौर (म.प्र.) 9827255910

कार्यकारिणी वर्ष 2024-26

विपिन विमलचंद गांधी
राष्ट्रीय अध्यक्ष
8518811000

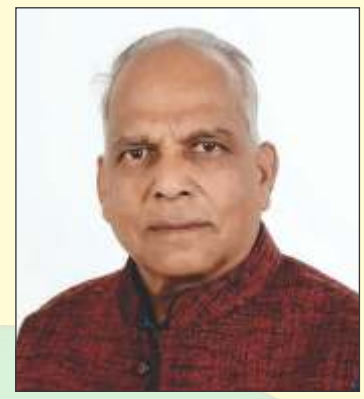

महेन्द्र कांतिलाल बंडी
राष्ट्रीय महामंत्री
9827255910

श्री देवेन्द्र छापीया
पूर्व अध्यक्ष
9829041872

श्री हसमुख गांधी
पूर्व अध्यक्ष
9302103573

श्री निरंजन जुवां
पूर्व अध्यक्ष
9426517658

श्री अशोक शाह
पूर्व अध्यक्ष
9414156680

श्री दिनेश शाह
पूर्व अध्यक्ष
9414105185

वसंतकुमार दोशी
निवर्तमान चेअरमेन
9426742659

दिनेश खोड़निया
उपाध्यक्ष
राजस्थान प्रोविन्स
9414101757

श्रीपाल शाह
उपाध्यक्ष
गुजरात प्रोविन्स
9824188760

दीपक भूता
उपाध्यक्ष
मध्यप्रदेश प्रोविन्स
9826299300

किरण भाई शाह
उपाध्यक्ष
महाराष्ट्र प्रोविन्स
8149435079

प्रमोद जे. शाह
उपाध्यक्ष
दक्षिण भारत प्रोविन्स
9972900321

दीपक मेहता
उपाध्यक्ष
NRI प्रोविन्स
+1 (818) 483-3436

विपिन जैन पचोरी
मंत्री
9974085625

सुरेन्द्रकुमार चांपावत
कोषाध्यक्ष
9820458506

कार्यकारिणी सदस्य

महेन्द्र शाह
मुम्बई (महा.)
9867391964

डॉ. श्रेणीक शाह
इंदापुर (महा.)
9822454340

कौशल्या पतंग्या
इंदौर (म.प्र.)
9826634080

संजय भाचावत
मुम्बई (महा.)
9821221152

अजीत कोठिया
बांसवाड़ा (राज.)
9414759460

मिहीर गांधी
अकलूज (महा.)
9637073395

रमेश वगेरिया
उदयपुर (राज.)
9414159460

प्रवीण शाह
खेरवाड़ा (राज.)
9414737676

सुशील शहा
दौंड (महा.)
9822056060

विजय जैन
डूंगरपुर (राज.)
8003893876

डॉ. निधि जैन
कुशलगढ़ (राज.)
9461162186

रमेश भूता
प्रतापगढ़ (राज.)
9414619008

महावीर दोशी
ईडर (गुज.)
9426027563

मधु कोठारी
उज्जैन (म.प्र.)
9685822044

वीरेन्द्र धनावत
उदयपुर (राज.)
7375991177

शरद गोड़लिया
अहमदाबाद (गुज.)
9825975832

सचिन शाह
नवी मुम्बई (महा.)
9967502476

राकेश जैन (दोशी)
बड़ौदा (गुज.)
7096105108

कालीदास गांधी
दाहोद (गुज.)
9825031613

डॉ. ज्योत्सना दोशी
उदयपुर (राज.)
9460319250

अंतिम कियावत
जावरा (म.प्र.)
9993307651

हूमड़ की उत्पत्ति एवं गौत्र

हूमड़ पुराण के मंगलाचरण की पंक्तियों से ज्ञात होता है कि हूमड़ों के पूर्वजों का मूल निवास स्थान गुजरात , जिसे प्राचीन समय में लाट देश कहा जाता था , के साबरा कांठा जिला मुख्यालय से 65 किलो मीटर दूर खेड़ब्रह्मा (प्राचीन ब्रह्म / देवपुरी) तथा उसके पास से बहने वाली हिरण्य गंगा के गाँव जिन्हें वर्तमान में रायदेश कहा जाता है , में था । ये लोग खेड़ब्रह्मा से 50 कि.मी. की परिधि में बसे हुए थे ।

उपलब्ध प्रमाणों के अनुसार पौराणिक काल में खेडब्रह्मा एक समृद्ध शहर था तथा त्रिवेणी (काशाम्बी , मौमशकरी और हिरण्य गंगा) संगम स्थल होने से प्रसिद्ध तीर्थस्थल था। वहाँ के क्षत्रिय लाट देश (गुजरात) के निवासी होने से लाडवंशी कहे जाते थे । इनके मुख्य कुल चौहान , चाणक्य , प्रतिहार और परमार थे । ये कुल , उपकुलों तथा शाखाओं में बटे हुए थे । इनमे से कई क्षत्रियों ने परिस्थितिवश क्षत्रिय संस्कारों का त्याग कर आजीविका हेतु वैश्य कर्म (व्यापार) अपना लिया । ऐसे क्षत्रियों को लाइवणिक भी कहा जाता था । वहाँ के कई क्षत्रिय एवं वैश्य (पूर्व में क्षत्रिय) जैन धर्म के आचार – व्यवहार का पालन करते थे और पंच णमोकार मंत्र , देवपूजा , गुरूपूजा , स्वाध्याय , सामायिक एवं पात्रदान यज्ञ को मानते थे । क्षत्रिय द्वारा जैन धर्म पालन के कारण नन्दी संघ के मुनियों द्वारा प्रभारी प्रचार था ।

जब नन्दी संघ के आचार्य मागनन्दी के शिष्य मुनि हेमचन्द्र खेड़ब्रह्मा पहुंचे तब इन्होंने आसपास के जैन मतावलंबियों एवं अन्य क्षत्रियों तथा वैश्यों को संगठित कर एक नये समाज की स्थापना की जो आज हूमड़ समाज के नाम से जाना जाता है ।

इन्होंने हूमड़ों के 18 गौत्र निर्धारित किये तथा क्षत्रियों के विविध संस्कारों को सम्पन्न कराने वाले पुराहितों को " खेडुवा " नाम दिया और उनके 9 गोत्र स्थापित किये । खेडब्रह्मा में नये समाज के संस्कार स्थल पर आज भी विशाल गोत्र कुण्ड (बावड़ी) है जिसमें हूमड़ों के 18 गोत्र की मातृवेदियों के गोखले (मूर्ति स्थान) मौजूद हैं ।उपरोक्त अध्ययनों से हूमड़ समाज का उत्पत्ति वर्ष विक्रम संवत् 101 के लगभग निश्चित होना प्रतीत होता है । वर्तमान खेड़ब्रह्मा के निकट देरोल नामक स्थान है , (जो पूर्व में खेड़ब्रह्मा का ही भाग था) , में नन्दीश्वर बावन जिन चैत्यालय एवं अन्य जैन मन्दिर के खंडर मौजूद है । वहाँ की 150 से अधिक प्रतिमाएं आज भी ईडरगढ़ , तारंगातीर्थ , भीलूडा तथा राजस्थान के अनेक स्थलों पर उपलब्ध है । इतिहास की जानकारी उक्त ग्रंथों से ली गई है ।

हूमड़ पुराण का मंगलाचरण

श्रीमद् हिरण्य गंगा तट सुमनधरा उत्तरा दिग्वैगे ।
सोमा सागत्य जायात् वरमुख चतुर मिष्ट गौत्र शर्तते ।।
स्नातास्ते ब्रह्म बाला जिमति निरता सश्र अष्टादशश्च ।
ते सर्वे सौख्यसुक्त धन स्वजन युता मंगल विस्तुरन्तु ।।

हूमड़ समाज का संक्षिप्त इतिहास

इतिहास हमारे गौरवशाली अतीत के स्वर्ण पृष्ठों का प्रामाणिक दस्तावेज है । वह हमें एक और हमारे सामाजिक व सांस्कृतिक परम्पराओं का बोध कराता है तो दूसरी और हमें अपने वर्तमान का आकलन करने का भी सुअवसर प्रदान करता है । समाज के इतिहासकार एवं शोधकर्ताओं ने ग्रंथो एवं स्थल पर उपलब्ध अवशेषों का अध्ययन करके अपने शोध – पत्रों और लेख के माध्यम से हूमड़ समाज के उद्गम , नामकरण , विस्थापन , स्थानांतरण , साधु – संतो , संस्कृति इत्यादि की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयत्न किया है । इस परम सेवा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु श्रीमान हीरालालजी सालगिया – अहमदाबाद के कुशल नेतृत्व में हुमड़ समाज शोध समिति के अंतर्गत सम्पूर्ण भारतवर्ष से कई शिक्षाविद् , चिंतक , समाज – सेवी और इतिहासकारों , शोधकर्ताओं के योगदान से नवम्बर 1945 एवं अगस्त 2000 में ' हूमड़ समाज का सांस्कृतिक इतिहास ' नाम से दो ग्रंथों का प्रकाशन किया गया था । अभी भी इस क्षेत्र में " शोध ' की अत्यन्त आवश्यकता है । आपके लिए प्रस्तुत संक्षिप्त इतिहास की जानकारी उक्त ग्रंथों से ली गई है ।

हूमड़ समाज का उदगम

हूमड़ समाज के उदगम की जानकारी उदगम स्थल पर उपलब्ध अवशेषों , शिलालेखों एवं हूमड़ पुराण , हूमड़ वंशावली , ब्राह्मणोत्पति मातृण्ड , भूवलय जैसे ग्रंथो से मिलती है ।

लाड़वंशी क्षत्रिय हूमड़ों के आदिपुरूष

गुजरात राज्य के प्राचीन इतिहास के अनुसार आज से साढ़े चार हजार वर्ष पूर्व (इ.पू. 2000) सुरेन्द्र सेन लाइवंशीय राजा हुए उनके पुत्र वीरसेन की रानीचुण्डावती ने पावागढ़ के मदिरों का जीर्णोद्धार करवाया था ।

इसी तरह गुहिल लाइवंशीय राजा कनकसेन ने सन् 144 में गुजरात में वीरनगर बसाया था ।

जैन ग्रंथ ' भूवलय ' निर्माण गाथा में बताया गया है कि उर्जयन्त पर्वत (गिरनार) से श्री नेमिनाथ , प्रद्युम्न , संबुकुमार , अनिरूद्व यादव कुमार तथा उनके लाड़वंशीय राजाओं सहित बहत्तर करोड़ सात सौ मुनि मोक्ष गये , जो लाइवंशीय क्षत्रिय हूमड़ों के आदिपुरूष थे ।

भेद (दशा - वीसा)

हूमड़ों में भेद मिलते हैं दशा हूमड़ एवं बीसा हूमड़ दोनों में गोत्र समान है । इससे यह ज्ञात होता है कि पूर्व में दोनों एक ही थे । भेद क्यों हुआ तथा दशा – बीसा नामकरण कैसे हुआ , शोध का विषय है परंतु इतना निश्चित है कि 17 वीं शताब्दी के मध्य तक यह भेद नहीं था । इससे पूर्व मूर्ति लेखों पर लघु शाखा एवं दीर्घ शाखा का उल्लेख मिलता है । इसे सिद्ध होता है कि दोनो में दशा – वीसा का जातीय भेद नही था । वर्तमान गुजरात प्रान्त में खेड़ा , बडौदा , अंकलेश्वर तथा अहमदाबाद में जो बीसा मेवाडा समाज है , और आर्थिक दृष्टि से काफी समृद्ध है वे हूमड़ समाज का ही एक भाग है । यह समाज भटेवर (राजस्थान) से आकर वहाँ बसा है ।

उसी स्थान से 125 परिवार प्रतापगढ़ (राज .) में भी बसे । भटेवर से शासन देवी वती लाये थे , जो मूल खेड़ ब्रह्मा से लायी गई थी।यह मूर्ति सोजित्न जिला खेड़ा (गुजरात) में विराजमान है । इस समाज के गोत्र हुमड़ो के 18 गोत्रों में से ही है।

देश के हुमड़ों की गौरवशाली संस्था

हुमडपुरम्

देश के हुमड़ों की गौरवशाली संस्था

हुमडपुरम्

105 श्री अठारह हजार दशा हुमड साढ़े बारह मंदिर बंदी जी एवं चौखला सम्बंधी दिगंबर जैन समाज वागड़, मेवाड़, मालवा की 200 साल प्राचीन संस्था है। जिसने वर्ष 2017 में समाज के बालक-बालिकाओं को जैन शिक्षण संस्था बनाकर शिक्षा देने का निर्णय कर माही नदी के किनारे सुरम्य वातावरण में ऐतिहासिक नगरी सागवाड़ा के समीप विशाल 8 लाख वर्गफीट (40 बीघा) भूमि क्रय कर श्री समाज के 5000 परिवारों के सहयोग से 60 हजार वर्गफीट का कॉलेज एवं स्कूल भवन का निर्माण कर वर्ष 2021 में CBSE मान्यता लेकर नर्सरी से दसवीं तक विद्यालय प्रारंभ किया, विद्यालय में 400 विद्यार्थी अध्ययनरत् है। यहां प्रतिदिन एक क्लास जैन संस्कार शिक्षा की होती है। वागड़ का पहला विद्यालय है जहां नर्सरी से दसवीं तक प्रत्येक कक्षा रुम में अत्याधुनिक टीवी पेनल के द्वारा स्मार्ट क्लास रुम बनाकर शिक्षण कार्य किया जा रहा है।

DHSS संस्था में 36 क्लास रुम, 5 लेब रुम, प्रिंसिपल रुम, स्टाफ रुम, संगीत कक्ष, 11 बसे, क्लास रुम में शानदार फर्नीचर, विशाल खेल मैदान संस्था के गौरव को बढ़ाते है। कक्षा दसवीं के बाद ग्यारहवीं-बारहवीं कक्षा, नर्सिंग कॉलेज खोलने हेतु भवन की कमी को देखते हुए वर्तमान में एक अन्य 22000 वर्गफीट का उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माणाधीन है। शिक्षण संस्था में बी.कॉम, बी.एस.सी., बी.ए. (आर्ट्स) कॉलेज खोलने की स्वीकृति भी राज्य सरकार से प्राप्त हो चुकी है। शिक्षण संस्था की भव्य लाइब्रेरी में हुमड़ों के इतिहास सम्बंधी समस्त आलेख भी सुरक्षित रखे गए है।

इस संस्था के निर्माण में 400 परिवारों का अंशदान आया है, समाज की भावना है कि समाज के हर परिवार का अंशदान चाहे 11 लाख आवे चाहे 11 हजार ही आवे पर आना चाहिये ताकि आपकी आने वाली पिढ़ी को लगे की यह सस्था मेरे पूर्वजों द्वारा अंशदान देकर बनाई गयी है।

दशा हुमड समाज की यह विशाल संस्था देशभर के हुमड़ों व दिगम्बर जैनों की गौरवशाली संस्था है, इस संस्था के संचालन में कुछ कमियां भी रह सकती है, कुछ गलतियां भी हो सकती है, इसलिए वागड़ मेवाड़ और देशभर के जैनों से आग्रह है कि यह संस्था हर जैन परिवार की है, जैन समाज की भावी पीढ़ी संस्कारवान हो, इस संस्था को मजबूत करने, विकसित करने एक बार यहां पधारे, सुझाव दे, सहयोग दे, समाज की युवा पीढ़ी को जैन संस्कार के साथ आगे बढ़ाने की मुहिम को मजबूती प्रदान करें।

धनपाल लालावत - अध्यक्ष
दशा हुमड शिक्षण ट्रस्ट मंडल
दिनेश खोड़निया - अध्यक्ष
18000 दशा हुमड दिगंबर जैन समाज

हूमड़ शब्द की उत्पत्ती

प्रथम मत – लाड़ क्षत्रिय ने जब जैन धर्म को स्वीकार किया तब उन्होंने अपने सारे अस्त्र – शस्त्रों का त्याग कर अग्नि में इनका होम किया । अतः होम द्वारा आयुधों का त्याग के महत्व को चिरस्थायी रखने की दृष्टि से होम + आयुध = होमायुध के नये नाम से क्षत्रिय पहचाने जाने लगे । कालान्तर में होमायुध से हूमड़ शब्द की उत्पत्ति हुई है ।

दूसरा मत – हूमड़ों की उत्पत्ति के संबंध में यह भी मत है कि भगवान महावीर के निर्वाण स्थल वाली भूमि बिहार प्रान्त के ' सिंह भूमि या सुहयनग ' में एक दिगम्बर साधूरहते थे , जो विहार करते – करते खेड़ब्रह्मा पहुंचे , जहां के लाड़ क्षत्रियों ने जैन धर्म स्वीकार किया । अतः उस साधुका उपदेश सुनकर हूमड़ ' कहलायें ।

तीसरा मत – यह है कि विक्रम संवत् के प्रारंभिक वर्षों में गुजरात राज्य में राजनैतिक व सामाजिक अस्थिरता आई । ऐसे समय में लाट (लाड़) क्षत्रियों की जागीर छीन ली गई तथा उन्हें सेना के विभिन्न पदों से निकाल दिया गया । ऐसे समय में वे क्षत्रिय धर्म को त्याग कर व्यापार करने लगे । व्यापार एवं वाणिज्य से संबधित कर्म करने से वे 'वणिक ' कहलाये ।

चौथा मत – यह है कि वि.स. के दूसरी सदी में जैन धर्म के नदिसंघ के मुनि हुम्माचार्य ने खेडब्रह्मा में 18 खांप के क्षत्रियों को जैन धर्म की दीक्षा देकर हुमड़ नाम की जाति स्थापित की । अतः हुमाचार्य से " हूमड़ " कहलाये ।

हूमड़ों का स्थानतरंण

हूमड़ अधिकांश संख्या में गुजरात , राजस्थान , महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश में है । शेष भारत में इनकी संख्या अत्यल्प है । इन सभी के पूर्वज खेड़ब्रह्मा तथा उसके आसपास के निवासी थे तथा मूलतः क्षत्रिय थे ।

यहा से इनका निष्क्रमण विभिन्न समय में हुआ तथा वे विभिन्न स्थानों पर जा बसे । वे और उनकी पीढ़ियां किसी एक स्थान पर स्थाई रूपसे नही रही । यह बताना कठिन है कि किस परिवार ने कितने और कब स्थान बदले और वर्तमान पीढ़ी के पूर्वज कब वर्तमान स्थान पर बसे । हूमड़ों के खेड़ब्रह्मा से निष्क्रमण के सम्बन्ध में एक किवदन्ति प्रचलित है कि एक भील राजा के समय राजपुत्र तथा नगर के श्रेष्ठि पुत्र में घनिष्ठ मित्रता थी । राजपुत्र के पास घोड़ा तथा भील पुत्र के पास घोड़ी थी । एक दिन दोनों घूमने निकले । राजपुत्र ने दौड़ का प्रस्ताव किया । श्रेष्ठि पुत्र इसके लिये तैयार नहीं था परंतु राजपुत्र के आग्रह को टाल नहीं सका । नही चाहते हुए भी राजपुत्र का प्रस्ताव स्वीकार किया , दौड़ शुरू हुई । श्रेष्ठी पुत्र की घोडी तेज तर्राट तथा बलिष्ठ थी अतः वह आगे निकल गयी । अकेला पड़ जाने के कारण राजपुत्र का घोडा गिर गया तथा राजपुत्र को नीचे गिरा दिया । इस घटना के कारण राजपुत्र ने श्रेष्ठि पुत्र की घोड़ी खरीद लेने को कहा । राजा ने श्रेष्ठि को बुलाकर बात की । श्रेष्ठि ने कहा आपका पुत्र एवं मेरा पुत्र दोनो घनिष्ठ मित्र है वे ही आपस में तय कर लेगें । श्रेष्ठि पुत्र को बुलाया गया ।

आचार्य सुनीलसागरजी के सानिध्य में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोतजी विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी.जोशी व कई मंत्रीगण हुमडपुरम कार्यक्रम में पधारे

गौरवशाली क्षण : शैक्षणिक भ्रमण के दौरान DHSS विद्यालय के छात्रों ने जयपुर स्थित राजभवन में राज्यपाल श्री कलराजजी मिश्रा से भेंट की एवं राज्यपाल महोदय ने सभी छात्रों को स्नेहभोज दिया ।

संपादक-श्री यशपाल जुवां-9826097101, प्रकाशक एवं मुद्रक श्री महेन्द्र बंडी (राष्ट्रीय महामंत्री) 9827255910 फेडरेशन ऑफ हुमड़ जैन समाज
पंजीकृत कार्यालय: 9, सिंदुर कॉ-ऑप., हाउसिंग सोसायटी, ईश्वर भवन के पास, नवरंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) 380 014, सन्मति 29/3, स्नेहलतागंज, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित